बाघिनि को बचाने का प्रयास

चर्चा में क्यों?

तराई पूर्वी वन प्रभाग की सुरई रेंज में पिछिले एक साल से की निगिरानी में रह रही बाघिनि के पेट के पिछिले हिस्सि में फँसे तार को निकालने की कोशिशि अंतिमि पड़ाव पर पहुँच गयी है।

- हाल ही में **तराई पूर्वी वन प्रभाग के सुरई रेंज** में एक बाघिनि, जिसिके पेट के निचिले हिस्सि में एक साल से तार फँसा हुआ है, की बचाने के लियि दो पिंजिरे लगाए गए हैं।
  - वन प्रभाग की **सुरई रेंज** उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिज़िर्व **की महोफ रेंज के सेमल कुआँ वन क्षेत्र** से सटी हुई है।

मुख्य बिंदु:

- जनवरी 2023 में **जंगल में एक गश्ती दल ने बाघिनि के पिछिले पैरों से पहले पेट में तार का फंदा** लिपिटा हुआ देखा था।
- गश्ती दल द्वारा इस संबंध में उच्चाधिकारियों को सूचिति करने के बाद मौके पर कैमरा ट्रैप लगाए गए और **35 में से 26 कैमरा ट्रैप ने बाघिनि** की नियमिति तस्वीर खींची।
- **बाघिनि की निगिरानी की रिपोर्ट** उत्तराखंड वन्यजीव प्रतिपालक और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकिरण को भेजी गयी जिसि पर संयुक्त टीम का गठन हुआ तथा बाघिनि को पकड़ने की कार्रवाई शुरू की गयी।

पीलीभीत टाइगर रिज़िर्व

- यह **उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िलि में स्थिति** ऊपरी गंगा के मैदानी जैव-भौगोलिकि प्रांत में तराई आर्क लैंडस्केप का हिस्सा है।
- **रिज़िर्व का उत्तरी किनारा भारत-नेपाल सीमा पर स्थिति है** जबकि **दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदी** द्वारा चिह्निति है।
- **साल के जंगल, सघन घास के मैदान** और नदियों से समय-समय पर बाढ़ द्वारा बनाए गए **दलदल** यहाँ की विशेषता है।
- रिज़िर्व की सीमा पर **शारदा सागर बाँध** है जो 22 किमी. (14 मील) की लंबाई तक फैला है।
- **इसे वर्ष 2014 में टाइगर रिज़िर्व के रूप में नामिति किया गया था।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/efforts-to-rescue-tigress